अध्याय 1: ऐसा वर दो

विषय-सूची 3 प्रश्नावली · 12 प्रश्न

प्रश्नावली 1.1	पाठ-बोध	5 प्रश्न
प्रश्नावली 1.2	शब्द-अर्थ	4 प्रश्न
प्रश्नावली 1.3	भाव-विस्तार	3 प्रश्न

प्रश्नावली 1.1 — पाठ-बोध

प्रश्न 1

कवि भगवान से क्या वर माँग रहे हैं?

उत्तर: कवि भगवान से प्रार्थना कर रहे हैं कि हम फूलों जैसे मुसकाएँ, सबसे प्रेम करें, परहित करें, सत्य-मार्ग पर चलें और ज्ञान-बुद्धि से भरे रहें।

प्रश्न 2

कविता में 'दीपक बनने' से क्या अर्थ है?

उत्तर: दीपक बनने का अर्थ है अँधेरे को दूर करना और अपने अच्छे कामों से दूसरों के जीवन में रोशनी लाना।

प्रश्न 3

कवि 'परहित' करने की बात क्यों कहते हैं?

उत्तर: कवि चाहते हैं कि हम केवल अपने बारे में न सोचें, बल्कि दूसरों की मदद करके खुशी पाएँ। दूसरों की भलाई करना ही सच्ची खुशी है।

प्रश्न 4

'सत्य-मार्ग पर बढ़ते जाएँ' — इस पंक्ति का क्या भाव है?

उत्तर: इस पंक्ति का भाव है कि हम हमेशा सच बोलें और सही काम करें। सत्य की राह पर चलना ही जीवन का सही तरीका है।

प्रश्न 5

कवि भगवान से तन और मन को 'सबल' करने की प्रार्थना क्यों करते हैं?

उत्तर: कवि चाहते हैं कि हमारा शरीर स्वस्थ और मन मजबूत रहे ताकि हम कठिनाइयों से न घबराएँ और अच्छे काम कर सकें।

प्रश्नावली 1.2 — शब्द-अर्थ

प्रश्न 1

'वर' का अर्थ क्या है?

उत्तर: वर का अर्थ है — वरदान या इच्छित चीज़ जो माँगी जाए।

प्रश्न 2

'परहित' का अर्थ बताइए।

उत्तर: परहित का अर्थ है — दूसरों की भलाई करना, दूसरों के काम आना।

प्रश्न 3

'तम' और 'ज्योतिर्मय' के अर्थ लिखिए।

उत्तर: तम का अर्थ है अँधेरा। ज्योतिर्मय का अर्थ है प्रकाश से भरा हुआ।

प्रश्न 4

'सन्मार्ग' किसे कहते हैं?

उत्तर: सन्मार्ग उस रास्ते को कहते हैं जो सही और अच्छा हो, जिस पर ईमानदारी से चला जाए।

प्रश्नावली 1.3 — भाव-विस्तार

प्रश्न 1

आप भगवान से क्या वर माँगना चाहेंगे? दो-तीन वाक्यों में लिखिए।

उत्तर: नमूना उत्तर: मैं भगवान से यह वर माँगूँगा/माँगूँगी कि मुझे अच्छी बुद्धि मिले और मैं सबकी मदद कर सकूँ। मैं चाहता/चाहती हूँ कि मेरे मन में सबके प्रति प्यार हो।

प्रश्न 2

कविता में 'हम फूलों जैसे मुसकाएँ' कहा गया है। आप कब-कब मुसकाते हैं?

उत्तर: नमूना उत्तर: मैं तब मुसकाता/मुसकाती हूँ जब कोई दोस्त मेरी मदद करता है, जब माँ-पापा प्यार से बात करते हैं और जब मैं कोई अच्छा काम करता/करती हूँ।

प्रश्न 3

कविता में 'सब मिलकर जीवन फल पाएँ' कहा गया है। इसका क्या मतलब है?

उत्तर: इसका मतलब है कि हम सब मिलजुल कर काम करें तो सबको सफलता और खुशी मिलती है। अकेले से अधिक, साथ मिलकर काम करने में शक्ति होती है।